4 चार लोगों की मौत हो गई क्रेन गिरने से अमेरिका के पश्चिमी तट पर बसे सिएटल शहर में एक व्यस्त सड़क पर। क्रेन का इस्तेमाल गूगल के निर्माणाधीन नए परिसर में किया जा रहा था।

प्रिंस हैरी के मामले में भी कैमरे ने झूठ नहीं बोला

ब्रिटेन के शाही राजघराने के प्रिंस हैरी ने इस साल पृथ्वी दिवस को यादगार बनाने के लिए अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक शानदार वन्यजीव एल्बम पोस्ट किया। पोस्ट की गईं तस्वीरों में हैरी को गैंडे, हाथी और शेर जैसे जानवरों के साथ साफ देखा जा सकता है। लेकिन आप सोच रहे होंगे कि दुनिया भर में खतरनाक माने जाने वाले यह तीन जानवर बिना किसी ट्रेनर के शांत कैसे हैं। दरअसल हैरी की तस्वीरों में दिखाए गए इन वन्यजीवों को नशीली दवा देकर शांत किया गया है। वहीं हाथी के पैरों को जंजीर से भी जकड़ कर रखा गया है। लेकिन प्रिंस हैरी ने जो तस्वीरें पोस्ट की हैं उनमें जानवरों के बारे में यह जानकारी नहीं दी है। यही नहीं, हाथी के साथ वाली तस्वीर को तो इस तरह से एडिट किया गया है जिससे उसके पिछले पैर से बंधी रस्सी न दिखाई दे। पूरी दुनिया में हैरी के इस तथाकथित कारनामे की चर्चा हो रही है।

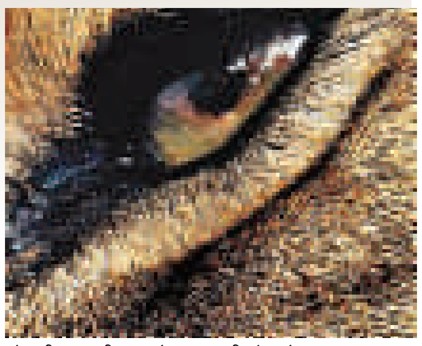

शेर की आंख की यह क्लोजअप तस्वीर है। जो इस खतरनाक जानवर को नशीली दवा देने के बाद ली गई है।

यह पास से ली गई गैंडे की तस्वीर है। जो बोत्सवाना में इस विशालकाय जानवर को नशीली दवा देने के बाद ली गई है।

पुरानी हैं तस्वीरें

हाथी की तस्वीर पूर्वी अफ्रीका के देश मलावी में जुलाई, 2016 को ली गई थी। जब हाथियों के एक झुंड को सुरक्षित पार्क में ले जाया जा रहा था। वहीं गैंडे की तस्वीर बोत्सवाना की यात्रा के दौरान ली गई थी।

स्पष्ट नहीं की स्थिति

प्रिंस हैरी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए इन तस्वीरों को पोस्ट किया था। जिसमें उन्होंने धरती की सुरक्षा के बारे में भी प्रचार किया था। हालांकि, उन्होंने उन परिस्थितियों को स्पष्ट रूप से बताने से परहेज किया, जिनमें तस्वीरें ली गई थीं।

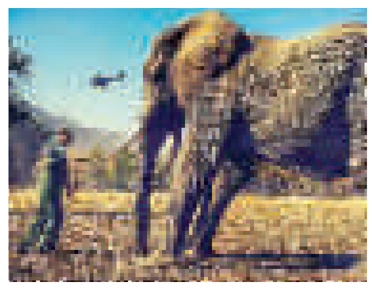

दोनों तस्वीरों को देखने से लगता है कि एक हैं। दोनों में प्रिंस हैरी हाथी का दांत पकड़े नजर आ रहे हैं। लेकिन पहली तस्वीर में सिर्फ हाथी के आगे का हिस्सा दिखाया गया है। बल्कि दूसरी में साफ देखा जा सकता है कि हाथी के पीछे के दोनों पैरों को जंजीर से बांधा गया है। यानी तस्वीर को एडिट करके डाला गया है।

न्यूज गैलरी

हिंदू पिता व मुस्लिम मां की बेटी को यूएई ने दिया जन्म प्रमाण पत्र

अबूधाबी : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने संभवतः पहली बार भारतीय हिंदू पिता और मुस्लिम मां की संतान को जन्म प्रमाण पत्र दिया है। यूएई में शादी से जुड़े कानून के तहत मुस्लिम महिला किसी गैर मुस्लिम से शादी नहीं कर सकती। स्थानीय मीडिया के अनुसार, शारजाह में रहने वाले भारतीय किरन बाबू के घर जुलाई 2018 में एक बेटी ने जन्म लिया था। किरन बाबू की पत्नी सनम साबू सिद्दिकी मुस्लिम हैं। दोनों की शादी 2016 में केरल में हुई थी और 2017 से वह यूएई में रहने लगे थे। यूएई के कानून की जद में आने के कारण उनके बेटी का जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन रहा था। कोर्ट से भी राहत नहीं मिलने पर परेशान किरन बाबू ने भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई थी। भारतीय दूतावास की मध्यस्थता के बाद उनकी बेटी का जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। (प्रेट्र)

पाक में गुरु नानक देव के समय का कुंआ मिला

लाहौर : पाकिस्तान में करतारपुर कॉरीडोर बनाने के दौरान करीब पांच सौ साल पुराना कुंआ मिला है। यह कुंआ सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकदेव के समय का होने की संभावना जताई जा रही है। लाल ईंटों से बना यह कुआं करतारपुर के गुरुद्वारा डेरा साहिब के नजदीक हो रही खोदाई के दौरान मिला। करीब 20 फुट गहरे इस कुंए को फिर से चालू किया जाएगा और गुरुद्वारा आने वाले श्रद्धालुओं को उसका मीठा पानी प्रसाद के तौर पर दिया जाएगा। गुरुद्वारे के व्यवस्थापक सरदार गोबिंद सिंह ने बताया कि कुंए में जो पानी मिला है, वह पूरी तरह से बैक्टीरिया मुक्त है और उसमें घावों को भरने और रोगों को दूर करने के गुण पाए गए हैं। यह पानी श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा। (प्रेट्र)

प्रतिबंध के बाद एनटीजे के ठिकानों पर छापा

आतंकी वारदात ▶ श्रीलंका में ईस्टर पर हुए हमले के बाद से 106 संदिग्धों की हुई गिरफ्तारी, तमिल अध्यापक भी शामिल

मास्टरमाइंड के पिता और दो भाइयों के मारे जाने की खबर

कोलंबो, रायटर : स्थानीय इस्लामिक आतंकी संगठन नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) पर प्रतिबंध के बाद श्रीलंका पुलिस ने उसके ठिकानों पर छापेमारी की है। सशस्त्र पुलिस कर्मियों ने कत्तनकुडी कस्बे में एनटीजे के ठिकानों पर छापे के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अब तक इस मामले में कुल 106 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें एक तमिल अध्यापक भी शामिल है।

श्रीलंका में 21 अप्रैल को ईस्टर के मौके पर चर्चों और होटलों को निशाना बनाकर हुए आत्मघाती हमलों में 253 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हैं। इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने हमलों की जिम्मेदारी ली है। हालांकि श्रीलंका की जांच एजेंसियों ने एनटीजे को हमले का जिम्मेदार माना है। राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेन ने शनिवार पर एनटीजे पर प्रतिबंध का एलान किया था। जांच एजेंसियों का मानना है कि एनटीजे का संस्थापक जहरान हाशिम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था। वह हमले को अंजाम देने वाले नौ आत्मघाती हमलावरों में शामिल था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार रात को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई एक मुठभेड़ में जहरान के पिता और दो भाइयों की भी मौत हो गई है। सुरक्षाबलों के छापे के दौरान तीनों ने खुद को उड़ा लिया था। आइएस ने इन तीनों को भी अपना लड़ाका बताया है।

चर्चों में रही खामोशी : हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से रविवार को विभिन्न चर्चों में प्रार्थना सभाएं स्थगित रहीं। कोलंबो के आर्कबिशप मैलकम रंजीत ने इस संबंध में अपील की थी। आर्कबिशप ने अपने निवास से ही विशेष उपदेश दिया, जिसका टेलीविजन पर प्रसारण किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेन, प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे और पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे भी उपस्थित रहे।

श्रीलंका में ईस्टर पर धमाकों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए रविवार को आयोजित बौद्ध समारोह में शामिल पूर्व राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे और अन्य। रायटर

हमलावर का भाई गिरफ्तार

कोलंबो, आइएएनएस : ईस्टर के दिन हुए हमले के मामले में पुलिस ने मसाला कारोबारी मुहम्मद इब्राहिम के बड़े बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। इब्राहिम के दो बेटों ने आतंकी हमले के दिन सिनामन ग्रैंड और सांगरी-ला होटल में आत्मघाती हमलावर के रूप में खुद को उड़ा लिया था। बेटों को हमले के लिए उकसाने के संदेह में पुलिस ने इब्राहिम को हिरासत में लिया था। अब उसके बड़े बेटे को भी हिरासत में ले लिया गया है।

सामान्य हो रहे हालात

कोलंबो, एएफपी : श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे का कहना है कि सुरक्षाबलों ने ज्यादातर आतंकियों को खत्म कर दिया है या उन्हें हिरासत में ले लिया है। देश अब सामान्य हालात की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस्लामिक आतंकियों से निपटने के लिए कानून को सख्त करने का फैसला किया है। अवैध तरीके से रह रहे इस्लामिक प्रचारकों को देश से बाहर किया जाएगा।

'ऐसा लगा जैसे किसी फिल्म का सीन चल रहा हो'

▶ श्रीलंका धमाकों में जिंदा बचे दुबई निवासी भारतीय दंपती ने बयां किया दर्द

▶ कहा, सिनामन ग्रैंड होटल में हर तरफ बिखरे थे खून के छींटे

दुबई, प्रेट्र/आइएएनएस : ईस्टर के दिन श्रीलंका के चर्च और होटलों में हुए धमाकों में सौभाग्य से जिंदा बच गए लोग आज भी उस खूनी मंजर को याद कर सिहर उठते हैं। ऐसे ही लोगों में दुबई में रहने वाला एक भारतीय दंपती भी है, जो श्रीलंका के पांच सितारा होटल सिनामन ग्रैंड में ठहरा था। दंपती ने बताया कि होटल में हर तरफ खून के छींटे पड़े थे, ऐसा लग रहा था जैसे किसी फिल्म का सीन हो। इस आतंकी हमले में 253 लोग मारे गए हैं और 500 से ज्यादा घायल हुए हैं। मरने वालों में कई भारतीय भी हैं।

दुबई में पैदा हुए और पले बढ़े अभिनव चारी वहीं के एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी में मैनेजर हैं। बिजनेस के सिलसिले में वह अपनी पत्नी नवरूप के साथ श्रीलंका गए थे। दोनों सिनामन ग्रैंड होटल में ठहरे थे। आइएस के आंतकियों ने जिन तीन होटलों को निशाना बनाया था, उसमें सिनामन ग्रैंड होटल भी शामिल था।

उस दिन को याद करते हुए चारी ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ ईस्टर पर एक चर्च में प्रार्थना करने गए थे। बीच में ही पादरी ने सभी लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से चर्च से जाने को कहा। कुछ बताया नहीं गया। बाहर निकलकर उन लोगों ने ब्रेकफास्ट करना चाहा, लेकिन सड़क पर अफरा-तफरी देखकर उन लोगों ने अपने होटल लौटने का फैसला किया। होटल पहुंचने पर उन लोगों ने सभी लोगों को लॉन में देखा। पहले तो उन्हें लगा कि कुछ सिक्योरिटी प्रोटोकाल का मसला होगा। लेकिन जब होटल में पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर उनकी रूह कांप गई। हर तरफ खून के छींटे नजर आ रहे थे। ऐसा लग रहा था उनके सामने किसी फिल्म का सीन आ गया हो। नवरूप ने बताया कि होटल के हालात देख कर उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि उनके सामने क्या कुछ घट गया। एंबुलेंस के आने और शव को ले जाते देख उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था कि हकीकत में ऐसा कुछ हुआ है। उन्हें लग रहा था जैसे किसी फिल्म का सीन उनके सामने चल रहा हो।

गल्फ न्यूज के साथ बातचीत में अभिनव चारी ने बताया कि वह सिर्फ दो बार ही संयुक्त अरब अमीरात से बाहर गए हैं और दुर्भाग्य से दोनों ही बार उन्हें दिल को दहला देने वाली घटनाओं से सामना हुआ है। पहली बार वह 2008 में मेडिसिन की पढ़ाई करने के लिए मुंबई गए थे। तब वहां आतंकियों ने एक साथ 12 जगहों पर भारी रक्तपात मचाया था। उन्होंने कहा कि मुंबई में वो पांच-छह दिन बहुत ही भयानक थे। दूसरी बार श्रीलंका गए थे, जहां ईस्टर के दिन धमाकों से पूरा देश दहल गया।

परवेज मुशर्रफ के पाकिस्तान लौटने की संभावना कम

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह के मामले में आरोपित पूर्व सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ को दो मई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। लेकिन मुशर्रफ के पाकिस्तान लौटने की संभावना नहीं के बराबर है।

उनके डॉक्टरों ने उन्हें यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। रीढ़ की हड्डी में दर्द की समस्या से जूझ रहे पूर्व राष्ट्रपति को पिछले माह इसकी वजह से अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। उनका परिवार भी इस हालत में उन्हें कहीं जाने नहीं देना चाहता। उनके वकील सलमान सफदर का हालांकि कहना है कि खराब सेहत के बाद भी मुशर्रफ वतन लौटना चाहते हैं।

ऑल पाकिस्तान मुस्लिम लीग के सदस्य अली नवाब चितराली ने कहा, 'मुशर्रफ अपनी बात के पक्के हैं इसलिए अब भी उनके लौटने की 50 फीसद संभावना है।' 2007 में देश पर आपातकाल थोपने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने मुशर्रफ पर देशद्रोह का मुकदमा किया था। 2014 में उन पर इस मामले में आरोप तय किए गए थे। लेकिन 2016 में इलाज के लिए दुबई गए मुशर्रफ फिर वतन नहीं लौटे। गत एक अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दो मई को होने वाली कार्यवाही में उपस्थित रहने का आदेश दिया था। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि अनुपस्थित रहने पर वह इस मामले में बयान देने का अपना अधिकार खो देंगे।

इंडोनेशिया में 272 लोगों की जान पर भारी पड़ा एक दिन का चुनाव

▶ काम के बोझ ने ली कई चुनाव अधिकारियों की जान, 1,850 से ज्यादा अधिकारी बीमार

▶ सरकार ने बेहतर इलाज के लिए सर्कुलर जारी किया, मृतकों के परिजनों को मुआवजा देगा वित्त मंत्रालय

जकार्ता, रायटर : इंडोनेशिया में एक दिन में दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव संपन्न कराने का रिकॉर्ड कई लोगों की जान पर भारी पड़ गया। 10 दिन पहले संपन्न हुए इन चुनावों के दौरान काम के बोझ ने अब तक 272 चुनाव कर्मियों की जान ले ली है। अधिकारियों का कहना है कि इनमें से ज्यादातर की जान थकान से हुई बीमारी के चलते गई।

26 करोड़ की आबादी वाले इंडोनेशिया ने लागत कटौती के लक्ष्य के साथ 17 अप्रैल को राष्ट्रपति चुनाव के साथ ही संसदीय व क्षेत्रीय चुनावों को संपन्न कराया था। चुनाव अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए थे। 19.3 करोड़ मतदाताओं में से 80 फीसद ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदाताओं को आठ लाख से ज्यादा मतदान केंद्रों पर पांच बैलेट पेपर पर मुहर लगानी थी। पूर्व से पश्चिम तक 5,000 किलोमीटर में फैले देश में आठ घंटे तक चले चुनाव उन अधिकारियों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं, जिन्हें हाथों से बैलेट की गिनती करनी पड़ी। चुनाव आयोग के प्रवक्ता एरिफ प्रियो सुसांतो ने बताया कि शनिवार रात तक थकान के कारण खराब हुई सेहत ने 272 चुनाव अधिकारियों की जान ले ली। 1,878 अन्य अधिकारी बीमार बताए जा रहे हैं। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीमार चुनाव अधिकारियों की अधिकतम देखभाल के लिए 23 अप्रैल को सर्कुलर भी जारी किया था। वित्त मंत्रालय भी मृतक कर्मचारियों के परिजनों को मुआवजा देने पर विचार कर रहा है।

मौत के बढ़ते आंकड़ों के कारण चुनाव आयोग को भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति पद के विपक्षी उम्मीदवार प्रबोवो सुबिआंतो के अभियान का हिस्सा रहे अहमद मुजानी ने कहा कि आयोग काम के प्रबंधन में विफल रहा। प्रबोवो ने चुनाव में धांधली का भी आरोप लगाया है। वहीं निवर्तमान राष्ट्रपति जोको विडोडो की सरकार के सुरक्षा मंत्री ने आरोपों को आधारहीन बताया है। चुनाव के शुरुआती नतीजों में जोको विडोडो को विजेता बताया गया है। हालांकि अंतिम नतीजे 22 मई को आएंगे।

दुबई निवासी भारतीय किशोरी का सात अमेरिकी यूनिवर्सिटी में चयन

▶ भारत में मानव तस्करी पर किताब लिख चुकी हैं सिमोन नूराली

दुबई, आइएएनएस : दुबई में रहने वाली 17 साल की भारतीय छात्रा सिमोन नूराली का अमेरिका की सात प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में चयन हो गया है। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया और प्रतिष्ठित आइवी लीग स्कूल समूह में शामिल डार्टमाउथ कॉलेज शामिल हैं। इनके अलावा जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, इमोरी यूनिवर्सिटी और जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी ने भी उन्हें दाखिला देने की पेशकश की है।

नूराली की इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता बेहद खुश हैं और गर्व महसूस कर रहे हैं। पिता समीर नूराली का कहना है कि उनकी बेटी इस बात का उदाहरण है कि कोई भी छात्र बिना रिश्वत के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में दाखिला ले सकता है।

पढ़ाई में हमेशा अव्वल आने वाली नूराली दुबई के मिरदिफ स्थित अपटाउन स्कूल की हेड गर्ल है। नूराली ने भारत में मानव तस्करी विषय पर 'द गर्ल इन द पिंक रूम' नामक किताब भी लिखी है। स्थानीय मीडिया में नूराली के हवाले से कहा गया है,

भारतीय छात्र सिमोन नूराली।

'मुझे नहीं लगता कि इन सभी यूनिवर्सिटी में चयनित हो जाने के पीछे कोई राज है। यह अपने आप को खोजने जैसा है क्योंकि हर व्यक्ति में कोई न कोई अलग प्रतिभा होती है।' यह पूछे जाने पर वह कहां दाखिला लेंगी, नूराली ने कहा, 'मैं उसी यूनिवर्सिटी में जाऊंगी जिसका इंटरनेशनल रिलेशन और इकोनॉमिक्स का कोर्स सबसे बेहतर होगा।' नूराली ने अन्य छात्रों को उनकी मर्जी का ही विषय और पेशा चुनने की सलाह दी है।

अमेरिका में यहूदी प्रार्थना घर पर हुआ हमला, एक की मौत व तीन घायल

▶ सैन डियागो के पॉवे शहर में 19 वर्षीय युवक ने हमले को दिया अंजाम

▶ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले को हेट क्राइम बताया

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस/एएफपी : अमेरिका के कैलिफोर्निया गणराज्य के पॉवे में यहूदियों के एक पूजा घर पर हुए हमले में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक पादरी (रब्बी) समेत तीन लोग घायल हो गए। हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान 19 वर्षीय जॉन अर्नेस्ट के रूप में हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के बार पत्रकारों से बातचीत में इसे 'घृणा अपराध' बताया है। उन्होंने मृतक के परिजनों से सहानुभूति भी जताई और घटना की तह तक जाने की बात कही।

सैन डियागो के उत्तर में स्थित पॉवे शहर में यहूदी प्रार्थना घर चाबड़ में सब्त उपासना के लिए बड़ी संख्या में यहूदी अपने परिवार के साथ उपस्थित थे। साप्ताहांत शुक्रवार की रात से शनिवार की रात के दौरान होने वाली प्रार्थना को सब्त उपासना कहते हैं, जिसमें यहूदी अपने परिजनों के साथ उपस्थित होते हैं। शनिवार सुबह आरोपीअर्नेस्ट बंदूक लिए चाबड़ में घुसा और फायरिंग शुरू कर दी। इसमें 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। 34 वर्षीय एक व्यक्ति, उसकी आठ साल की बेटी और 57 वर्षीय पादरी घायल हुए हैं।

सैन डियागो के शेरिफ बिल गोर ने कहा कि हमलावार के पिछले महीने एक मस्जिद पर हुए हमले में शामिल होने की आशंका है। उसकी जांच की जा रही है। मस्जिद पर हमले में कोई जख्मी नहीं हुआ था। जांच अधिकारियों के मुताबिक आरोपी अर्नेस्ट के सोशल मीडिया अकाउंट पर नफरत भरे पोस्ट मिले हैं। उसकी जांच भी की जा रही है। आरोपी सैन डियागो का ही रहने वाला है। अधिकारियों ने बताया कि पहले राउंड की फायरिंग के बाद उसकी बंदूक जाम हो गई थी। जिसके बाद वह घटनास्थल से कार से भाग गया था। लेकिन कुछ देर बाद ही उसने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

छह महीने पहले भी हुआ था हमला

छह महीने पहले पिट्सबर्ग में भी एक यहूदी पूजा स्थल पर बंदूकधारी ने हमला किया था, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और छह लोग घायल हुए थे। तब हमलावर ने फायरिंग करते हुए चिल्ला रहा था कि सभी यहूदियों को मरना चाहिए।

घायलों में इजरायली पिता-पुत्री: हमले में घायल तीन लोगों में इजरायली नागरिक दहन और उसकी आठ साल की पुत्री नोया शामिल है। यह विडंबना ही है कि इजरायल में गाजा पट्टी के पास रहने वाले दहन ने सुरक्षित जीवन की तलाश में लगभग पांच साल पहले अपने परिवार के साथ अमेरिका का रुख किया था। लेकिन यहां भी उनका सामना हिंसा से ही हुआ। 2015 में दहन के घर और गाड़ी पर हमला हुआ था, जब वह पॉवे से लगभग 16 किलोमीटर दूर मीरा मेसा में रहते थे।

बढ़ रहा है घृणा अपराध: बता दें कि दुनिया भर में घृणा अपराध (हेट क्राइम) के मामले बढ़ रहे हैं। कुछ दिन पहले न्यूजीलैंड में दो मस्जिदों में एक बंदूकधारी ने हमला कर 50 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी थी। जबकि, पिछले रविवार को ईस्टर के दिन श्रीलंका में इस्लामी आतंकियों ने तीन चर्चों और तीन होटलों पर आत्मघाती हमले कर 253 लोगों को मार डाला था।

कर्ज में डूबे पाकिस्तान ने चीन से किए और समझौते

प्रयास

कराची-पेशावर रेल लाइन का विकास होगा, ड्राई पोर्ट भी बनेगा, इन समझौतों को सीपीइसी के विकास के तौर पर देखा जा रहा है

बीजिंग, प्रेट्र : चीन और पाकिस्तान अपना सहयोग तीन लाख करोड़ रुपये की लागत वाले सीपीइसी से आगे ले जाने को संकल्पबद्ध हैं। रविवार को दोनों देशों ने कराची-पेशावर रेलवे लाइन के अपग्रेडेशन, द्वितीय चरण के मुक्त व्यापार समझौते और एक शुष्क बंदरगाह (ड्राई पोर्ट) के विकास के मसौदे पर दस्तखत किए। ये दस्तखत पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की मौजूदगी में हुए। इन समझौतों को सीपीइसी (चीन-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरीडोर) के विकास के तौर पर देखा जा रहा है।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान इन दिनों वन बेल्ट-वन रोड (ओबीओआर) अभियान के तहत हो रहे दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद इमरान का चीन का यह दूसरा दौरा है। रविवार को इमरान की चीनी प्रधानमंत्री ली कछ्यांग से मुलाकात के समय समझौतों पर दस्तखत हुए। पाकिस्तान के आर्थिक विकास के लिए कराची-पेशावर रेलवे ट्रैक का डबल ट्रैक में परिवर्तन जरूरी समझा जा रहा था, इसलिए पाकिस्तान ने इसके विकास पर दस्तखत किए हैं। इस परियोजना के तहत 1,680 किलोमीटर की लंबाई में नया रेलवे ट्रैक बनेगा। इसके लिए चीन 8.4 अरब डॉलर (58 हजार करोड़ रुपये) की सहायता देगा। पाकिस्तान की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 19 अरब डॉलर (1.32 लाख करोड़ रुपये) की मदद दे रहा है।

पाकिस्तान को यह सारा कर्ज उसकी जर्जर आर्थिक स्थिति के बीच मिल रहा है। सीपीइसी को लेकर उसका चीन के साथ हुआ समझौता स्पष्ट नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने पाकिस्तान को सहायता देने से पहले उससे चीन की परियोजनाओं का ब्योरा मांगा है। लेकिन पाकिस्तान उसे देने में आनाकानी कर रहा है। अमेरिका और आइएमएफ को आशंका है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सहायता से चीन का कर्ज चुका सकता है।

बांग्लादेश-चीन-म्यांमार-भारत गलियारे को सूची से हटाया

बीजिंग : चीन ने अपनी अरबों डॉलर की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड परियोजना से बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार आर्थिक गलियारे को हटा दिया है। बीसीआइएम को हटाने का कारण नहीं बताया गया है, लेकिन शनिवार को संपन्न हुए बीआरआइ फोरम के दूसरे शिखर सम्मेलन में जारी सूची में जिन परियोजनाओं का जिक्र किया गया है, उनमें इस गलियारे का उल्लेख नहीं है।

भारत ने बेल्ट एंड रोड के तहत बन रहे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का विरोध करते हुए चीन के इस प्रॉजेक्ट से अपनी दूरी बना रखी है। माना जा रहा है कि इस खीझ में ही चीन ने बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार गलियारे को लिस्ट से बाहर कर दिया है।

खशोगी ट्रायल में सऊदी के शाही सलाहकार गैरमौजूद, उठे सवाल

वाशिंगटन, एएफपी : सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के मामले में कथित तौर पर दो शाही सलाहकारों के नाम सामने आए हैं। लेकिन सऊदी अरब में चल रही इस मामले की सुनवाई से एक शाही सलाहकार की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। अभियोजन पक्ष का कहना है कि देश के खुफिया विभाग के उप प्रमुख अहमद अल-असीरी के नेतृत्व में इस अपराध को अंजाम दिया गया। शाही अदालत के मीडिया सलाहकार सऊद अल-कातनी ने उनकी मदद की थी।

ये दोनों ही सऊदी क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान के करीबियों में शामिल थे। खशोगी की हत्या का मामला सामने आने पर दोनों को बर्खास्त कर दिया गया था। लेकिन मुकदमा सिर्फ असीरी पर चल रहा है। वह जनवरी के बाद से हुई कोर्ट की पांच कार्यवाही में उपस्थित भी रहे थे। दूसरी ओर, कातनी एक भी सुनवाई में नहीं दिखे। कुछ लोगों का मानना है कि या तो सऊदी सरकार उन्हें बचाना चाहती है या उन पर अलग से मुकदमा चलाएगी। वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार और सऊदी सरकार खासकर क्राउन प्रिंस के आलोचक खशोगी की हत्या के मामले में गत नवंबर में 11 अज्ञात संदिग्धों पर आरोप तय किए गए थे।

जमाल खशोगी

अभी तक किसी सुनवाई में नहीं दिखे सऊद अल-कातनी

इनमें से पांच को फांसी की सजा हो सकती है। बीते साल अक्टूबर में इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में खशोगी की हत्या कर दी गई थी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए का कहना है कि सऊदी प्रिंस के आदेश पर इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। सऊदी सरकार इस आरोप को खारिज करती रही है। उसके अनुसार, खशोगी की हत्या कुछ अपराधियों ने की है।